शनिवार , 07 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 72

CITY NEWS MUMBAI

कर्जमाफी पर विजय वडेट्टीवार का सरकार पर हमला

बोले- 2 लाख रुपये कर्ज वाले एक भी किसान को नहीं मिला लाभ

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का आरोप- 2 लाख का कर्ज रखने वाले किसानों को नहीं मिला कर्जमाफी का लाभ। गोकुल दूध संघ के अध्यक्ष चुनाव में भी महायुति पर साधा निशाना। वडेट्टीवार का आरोप, 2 लाख तक कर्ज वाले किसानों को राहत नहीं। कर्जमाफी में शर्तें लगाकर लाभार्थी बढ़ाने का दावा। गोकुल चुनाव में संचालकों को मतदान से रोकने का आरोप। 10 नवंबर को बहुमत से अध्यक्ष चुनने की मांग। महाराष्ट्र में किसानों की कर्जमाफी योजना को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने राज्य की महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि दो लाख रुपये का कृषि कर्ज रखने वाले एक भी किसान को कर्जमाफी का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने कम राशि का कर्ज रखने वाले किसानों का कर्ज माफ करके लाभार्थियों की संख्या बढ़ाकर पेश की है। कर्जमाफी के आंकड़ों पर उठाए सवाल वडेट्टीवार के मुताबिक, सरकार ने सवा लाख, 1 लाख 10 हजार, 80 हजार और 60 हजार रुपये तक का कर्ज रखने वाले किसानों को राहत दी है। वहीं, डेढ़ लाख



रुपये से अधिक का कर्ज रखने वाले किसानों को अलग-अलग शर्तें लगाकर लाभार्थियों की सूची से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह कर्जमाफी के वास्तविक लाभ से बड़ी संख्या में किसान वंचित रह गए हैं। वडेट्टीवार ने कहा कि वे किसानों की सूची लेकर सरकार के साथ चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने सरकार से कर्जमाफी के आंकड़ों और लाभार्थियों की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। गोकुल दूध संघ के सत्ता संघर्ष पर भी निशाना कांग्रेस नेता ने कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ यानी गोकुल के सत्ता संघर्ष को लेकर भी महायुति सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि गोकुल के चुनाव में दूध उत्पादक सदस्यों ने अपना स्पष्ट फैसला दिया है, लेकिन सत्ता के बल पर निर्वाचित संचालकों को किनारे करने की कोशिश की जा रही है। वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि कुछ निर्वाचित संचालकों को दूसरे राज्य में भेजा गया है, ताकि अध्यक्ष पद के चुनाव में बहुमत का समीकरण प्रभावित किया जा सके। 10 नवंबर के चुनाव को लेकर रखी मांग विजय वडेट्टीवार ने मंत्री हसन मुश्रीफ से सवाल किया कि निर्वाचित संचालकों को दूसरे राज्य में क्यों भेजा गया और मतदान का अधिकार रखने वाले सदस्यों को मतदान से दूर रखने की कोशिश क्यों की जा रही है। उन्होंने मांग की कि 10 नवंबर को होने वाले गोकुल अध्यक्ष पद के चुनाव में सभी निर्वाचित संचालकों को उपस्थित रहने दिया जाए। अध्यक्ष का चयन बहुमत के आधार पर होना चाहिए। वडेट्टीवार ने कहा कि चुनाव में निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपना मत व्यक्त करने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

महाराष्ट्र के 305 तहसीलों में सूखे के बावजूद मजदूरों को राहत नहीं! हाईकोर्ट ने फडणवीस सरकार से मांगा जवाब

महाराष्ट्र के 305 तहसीलों में सूखा घोषित होने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सरकार से राहत उपायों का ब्योरा मांगा है। भूमिहीन मजदूरों को बेरोजगारी भत्ता देने की मांग वाली PIL पर सुनवाई। सूखा राहत को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा। 305 तहसीलों में सूखे के बावजूद भूमिहीन मजदूरों को राहत नहीं मिलने का आरोप। हाईकोर्ट ने योजनाओं का ब्योरा मांगा, अगली सुनवाई 17 नवंबर को। महाराष्ट्र की 358 में से 305 तहसीलों में सूखा घोषित किए जाने के बावजूद भूमिहीन



खेतिहर मजदूरों, छोटे किसानों और प्रवासी श्रमिकों तक सरकारी राहत नहीं पहुंचने का मामला अब बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंच गया है। इस मुद्दे पर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने पूछा है कि सूखे से निपटने के लिए अब तक क्या-क्या कदम उठाए गए हैं और प्रभावित लोगों के लिए कौन-सी नई योजनाएं शुरू की गई हैं। 17 नवंबर को होगी अगली सुनवाई मुख्य न्यायाधीश महेश सी. त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ के समक्ष बुधवार को मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने राज्य के महाधिवक्ता मिलिंद साठे से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। साथ ही महाधिवक्ता और सरकारी वकील पी. ए. काकडे को सरकार की ओर से सूखा राहत उपायों और नई योजनाओं की विस्तृत सूची हलफनामे ...शेष 7 पर

BJP अजीबोगरीब पार्टी, गोकुल विवाद को लेकर राज ठाकरे का हमला, कहा- सत्ता में रहकर लोकतंत्र बचाने की मांग कर रही



मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता में होने के बावजूद विरोध प्रदर्शन करना हास्यास्पद है और पार्टी 'कॉमन सेंस' के सूखे से जूझ रही है। राज ठाकरे ने भाजपा को कहा अजीबोगरीब पार्टी बीजेपी सत्ता में रहते हुए भी विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उतरता है। राज ठाकरे ने भाजपा पर गोकुल दूध संघ विवाद को लेकर बोला हमला राज ठाकरे बोले- बीजेपी समझदारी ...शेष 7 पर

मुंबई में अवैध निर्माणों पर BMC की कार्रवाई की खुली पोल, 10 साल में 2.14 लाख शिकायतें; सिर्फ 6.15% पर तोड़फोड़



बीएमसी की आरईटीएमएस ऑनलाइन प्रणाली पर 10 वर्षों में अवैध निर्माण की 2,14,917 शिकायतें आईं, पर तोड़क कार्रवाई सिर्फ 13,211 (6.15%) मामलों में हुई। आरटीआई में हुआ खुलासा। 10 साल में BMC को अवैध निर्माणों की 2.14 लाख शिकायतें मिलीं। सिर्फ 13,211 मामलों में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी हुई। 1.16 लाख शिकायतें डुप्लीकेट घोषित की गईं। एल विभाग में सबसे ज्यादा 30,935 शिकायतें दर्ज हुईं। मुंबई शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई के ...शेष 7 पर

बाळासाहेब ठाकरे के नाम पर बने आर्ट गैलरी को बंद रखने पर मंत्री प्रताप सरनाईक का बड़ा ऐलान, हर महीने 10 लाख रुपये खुद देंगे!





मीरा-भाईंदर, (सिटी न्यूज़ मुंबई) मीरा-भाईंदर में हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे के नाम पर बनाए गए भव्य आर्ट गैलरी को बंद रखने के मुद्दे पर महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक ने आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने घोषणा की है कि यदि महानगरपालिका के पास आर्ट गैलरी के संचालन और रखरखाव के लिए आर्थिक व्यवस्था नहीं है, तो वे हर महीने 10 लाख रुपये अपनी जेब से देंगे। मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि खर्च का कारण बताकर बालासाहेब ठाकरे के नाम से जुड़ी इस वास्तु को बंद रखना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगले महीने से यह राशि सीधे महापौर निधि में जमा कराई जाएगी। दरअसल, दिवाली की छुट्टियों में बच्चों और विद्यार्थियों को आर्ट गैलरी का लाभ मिल सके, इसके लिए मंत्री सरनाईक ने पिछली समीक्षा बैठक में महानगरपालिका को 15 दिनों तक इसे निःशुल्क शुरू रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में शुक्रवार को उन्होंने स्वयं आर्ट गैलरी का दौरा किया और वहां मौजूद विद्यार्थियों को इसका आनंद लेने का अवसर दिया। इस दौरान महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे। मंत्री ने महापौर से लिखित रूप में यह बताने की मांग की कि क्या महानगरपालिका आर्थिक स्थिति के कारण इस आर्ट गैलरी का संचालन करने में असमर्थ है। भ्रष्टाचार के आरोपों पर सत्ताधारियों...शेष 7 पर

उत्तराखंड को 1475 करोड़ का बड़ा तोहफा, अमित शाह ने 62 योजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की यात्रा का पहला पड़ाव उत्तराखण्ड होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्योत्सव गौरव का अवसर है। गृह मंत्री ने देहरादून में 1475.31 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 1073.11 करोड़ की 44 योजनाओं का शिलान्यास और 402.20 करोड़ की 18 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। ये परियोजनाएं सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, शहरी विकास और अन्य सुविधाओं से संबंधित हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सीएम पुष्कर सिंह धामी के साथ देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित उत्तराखण्ड राज्योत्सव समारोह में 1475.31 करोड़ की 62 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 1073.11 करोड़ की 44 योजनाओं का शिलान्यास तथा 402.20 करोड़ की 18 योजनाओं का लोकार्पण शामिल है। ये परियोजनाएं सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, शहरी विकास और अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित हैं। 'विकसित भारत का पहला पड़ाव उत्तराखण्ड' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के



निर्माण की यात्रा का पहला पड़ाव उत्तराखण्ड होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्योत्सव गौरव, सिद्धि और संकल्प का अवसर है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण किया और आज पीएम मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। गृह मंत्री ने आगे कहा कि साल 2022 की तुलना में उत्तराखण्ड की जीएसडीपी में 50 प्रतिशत तथा प्रति व्यक्ति आय में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हुए 3.56 लाख करोड़ के निवेश समझौतों में से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की ग्राउंडिंग हो चुकी है। '35 हजार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी' उन्होंने समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून और धर्मांतरण विरोधी कानून सहित राज्य सरकार के महत्वपूर्ण निर्णयों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में 35 हजार युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। राज्य में तीन लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। 'उत्तराखण्ड में विकास को नई गति मिली' अमित शाह ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, चारधाम ऑलवेदर रोड, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, केदारनाथ एवं हेमकुण्ड साहिब रोपवे सहित विभिन्न परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से उत्तराखण्ड में विकास को नई गति मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। वहीं, सीएम धामी ने गृह मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि पीएम मोदी एवं अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य सरकार उत्तराखण्ड को विकसित और समृद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

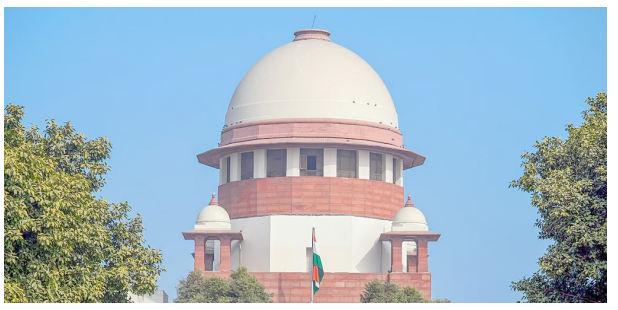
आदिवासी लीडर निशा भगत ने की खुदकुशी, फेसबुक लाइव के बाद उठाया दर्दनाक कदम

रांची के पिठौरिया थाना क्षेत्र से एक दुखद खबर सामने आई है जहां आदिवासी लीडर निशा भगत ने आत्महत्या कर ली। जिसके बाद आदिवासी समाज में शोक की लहर है। झारखंड की आदिवासी महिला लीडर निशा भगत ने की आत्महत्या फेसबुक लाइव के 2 घंटे बाद उठाया दर्दनाक कदम फेसबुक लाइव में इमोशनल होकर अपने पिता का भी जिक्र किया आदिवासी महिला लीडर निशा भगत ने कई लोगों पर लगाए आरोप हर कोई ये जानना चाहता है कि आखिर आदिवासी लीडर निशा भगत ने अपने फेसबुक लाइव में क्या कहा जिसके बाद मामला गर्मा गया था। फिलहाल आदिवासी लीडर निशा भगत की इलाज के दौरान मौत होने के बाद मामले की जांच जोरो शोरो से की जा रही है। बता



दें कि आत्महत्या से ठीक पहले निशा भगत ने फेसबुक लाइव पर अपनी आपबीती बताई थी। उन्होंने लोगों और अपने फॉलोअर्स से दुख साझा करते हुए कई लोगों पर गंभीर आरोप लगाए। 10 मिनट के फेसबुक लाइव के बाद हड़कंप मच गया। फिलहाल बीजेपी पार्टी नेताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। फेसबुक लाइव के 2 घंटे बाद निशा भगत ने की आत्महत्या आदिवासी लीडर निशा भगत की आत्महत्या ने प्रशासन के ऊपर बड़े सवाल खड़े किए हैं। लाइव के दौरान निशा भगत ने पिठोरिया थाना प्रभारी को फोन कर कहा था कि वो अपनी जीवन लीला समाप्त करने जा रही हैं। इससे कुछ घंटे पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी साझा की थी। इसमें उन्होंने लिखा था कि मेरी मौत का जिम्मेदार झारखंड पुलिस है। पोस्ट में उन्होंने मिशनरी, पैसे और जमीन को लेकर भी अपनी बात रखी थी। बड़ा सवाल ये है कि इतना हो जाने के बावजूद भी प्रशासन ने कुछ नहीं किया और आदिवासी लीडर निशा भगत को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा। सोचने वाली बात ये भी है कि आखिर ऐसा कौन-सा बड़ा कारण रहा होगा जिसकी वजह से एक महिला आदिवासी लीडर को इतना बड़ा कदम उठाना पड़ा है। आदिवासी लीडर निशा भगत ने क्या कहा निशा भगत ने अपने फेसबुक लाइव में कहा कि मैं संघर्ष करती रही कि मेरा आदिवासी समाज बच पाए, लेकिन कुछ नहीं हो पा रहा है। मुझे बदनाम करने वाले लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई और उनकी शिकायतों पर भी ध्यान नहीं दिया गया।

गरीब प्रदूषण नहीं फैलाते... SC ने प्रदूषण पर दिल्ली सरकार को लगाई फटकार, बोले- कोई पाबंदी काम नहीं आएगी



दिल्ली-NCR में AQI 391 पहुंचने पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई। कोर्ट ने वाहनों के उत्सर्जन को प्रदूषण की बड़ी वजह बताते हुए तत्काल उपायों पर जोर दिया। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में वायु प्रदूषण के लिए वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को एक बड़ा कारण बताया। कोर्ट ने कहा कि बढ़ते एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) को नियंत्रित करने के लिए तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए नियामक ढांचे से जुड़े एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) की सड़कों पर भारी ट्रैफिक और अक्सर लगने वाले जाम पर चिंता जताई। वाहनों की संख्या देखें - सुप्रीम कोर्ट CJI सूर्यकांत ने टिप्पणी की, "हम लगातार बातचीत करते हैं, बयान जारी करते हैं और सुझाव देते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि AQI पहले ही 400 के स्तर को छू रहा है।"

3 लोगों को रौंदने वाले आरोपियों को जमानत, HC ने कहा- जनता की भावना से नहीं चलता कानून



कोच्चि मिनी कूपर हादसे में केरल हाईकोर्ट ने 3 आरोपियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि जमानत का फैसला कानून से तय होता है, जनता की भावना से नहीं। केरल हाई कोर्ट ने Mini Cooper Crash Case में तीनों आरोपियों को जमानत दे दी। मुख्य आरोपी सुहैल सजीव को जमानत मिलने के बावजूद 10 दिन बाद रिहा किया जाएगा। BMW रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्घटना से पांच सेकंड पहले कार की रफ्तार 162 किमी प्रति घंटा थी। केरल हाई कोर्ट ने चर्चित मिनी कूपर क्रैश मामले के तीन आरोपियों जमानत दे दी है। इस क्रैश में पिछले महीने कोच्चि के पास तीन लोगों की जान चली गई थी। कोर्ट ने आज हुई सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को जमानत दे दी।

इस दौरान कोर्ट ने कहा कि जनता की भावना यह तय नहीं कर सकती की किसे जमानत दी जाए और किसे नहीं।

CJI सूर्यकांत पर पोस्ट से भड़का सुप्रीम कोर्ट, केरल कांग्रेस से पूछा- अवमानना की कार्रवाई क्यों न हो?

CJI सूर्यकांत को लेकर केरल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केरल कांग्रेस को फटकार लगाते हुए पूछा अवमानना की कार्रवाई क्यों न हो? सुप्रीम कोर्ट ने केरल कांग्रेस के नेताओं को नोटिस जारी किया सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि देश का संविधान सर्वोच्च है केरल कांग्रेस के नेताओं ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के खिलाफ सोशल मीडिया पर लिखा था पोस्ट भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केरल कांग्रेस के नेताओं को नोटिस जारी किया है। शुक्रवार को अदालत ने केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (KPCC) के अध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारियों से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायालय की अवमानना के



मामले में कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। यह मामला कांग्रेस की केरल इकाई के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X अकाउंट पर किए गए एक पोस्ट से जुड़ा है। इस पोस्ट में CJI सूर्यकांत को निशाना बनाया गया था। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद पोस्ट को हटा दिया गया। मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ कर रही थी। यह सुनवाई वकील विनीत जिंदल की ओर से दाखिल याचिका पर हुई। याचिका में मांग की गई थी कि कांग्रेस के आधिकारिक अकाउंट से किए गए पोस्ट पर सुप्रीम कोर्ट खुद संज्ञान लेकर कार्रवाई करे। कांग्रेस ने मांगी बिना शर्त माफी सुनवाई के दौरान केरल कांग्रेस की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि विवादित पोस्ट पदाधिकारियों की मंजूरी के बिना अपलोड किया गया था। पोस्ट को बाद में हटा दिया गया और पार्टी की ओर से बिना शर्त माफी भी मांग ली गई है। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत यह देखेगी कि माफी केवल कागज और कलम से मांगी गई है या वास्तव में दिल से भी मांगी गई है। अदालत ने अभिव्यक्ति की आजादी पर क्या कहा? सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि देश का संविधान सर्वोच्च है और कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक संगठन इससे ऊपर नहीं हो सकता। न्यायपालिका की स्वतंत्रता किसी राजनीतिक दल की सुविधा पर निर्भर नहीं करती। पीठ ने कहा कि अदालत के फैसलों की आलोचना करना हर किसी का अधिकार है, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल न्यायपालिका को डराने या न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालने के लिए नहीं किया जा सकता।

दिल्ली-NCR में बढ़ते प्रदूषण से जहरीली हुई हवा; CAQM ने लागू किया GRAP-3, जाने क्या होंगी पाबंदिया

दिल्ली-NCR में हवा का स्तर बेहद खराब हो गया है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी आज चिंता जताई है। इसके बाद CAQM ने दिल्ली-NCR में GRAP-3 लागू किया है। दिल्ली-NCR में प्रदूषण का खतरा बढ़ा, GRAP-3 लागू GRAP-3 लागू होने पर कई तरह की गतिविधियों पर लगेगा प्रतिबंध प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को बिना काम के घरों से न निकलने की नसीहत दिल्ली-NCR में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हवा की गुणवत्ता खराब होने के साथ ही प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। हालात को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) के तीसरे चरण यानी GRAP-3 को लागू कर दिया है। इसके तहत दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कई तरह की पाबंदियां लगाई जाती हैं। दिल्ली-NCR में प्रदूषण बढ़ने का असर आम जनजीवन पर भी पड़ रहा है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए खराब हवा परेशानी का कारण बन सकती है। ऐसे में प्रशासन ने प्रदूषण के स्रोतों पर



लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। GRAP-3 में क्या-क्या पाबंदियां लगेंगी? GRAP-3 लागू होने पर कई तरह की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इनमें प्रमुख रूप से: गैर-जरूरी निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़े कार्यों पर रोक। BS-III पेट्रोल और BS-IV डीजल वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध (निर्धारित क्षेत्रों और नियमों के अनुसार) सरकारी और निजी निर्माण परियोजनाओं पर सख्ती। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर निगरानी और कार्रवाई। स्कूलों में हाइब्रिड मोड से पढ़ाई का विकल्प लागू किया जा सकता है। हालांकि, इन पाबंदियों का दायरा CAQM के आधिकारिक आदेश और संबंधित क्षेत्रों पर निर्भर करता है। सुप्रीम कोर्ट में प्रदूषण को लेकर हुई सुनवाई शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में वायु प्रदूषण के लिए वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को एक बड़ा कारण बताया।

कोर्ट ने कहा कि बढ़ते एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) को नियंत्रित करने के लिए तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक उपायों की आवश्यकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए नियामक ढांचे से जुड़े एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) की सड़कों पर भारी ट्रैफिक और अक्सर लगने वाले जाम पर चिंता जताई।

किन इलाकों में सबसे ज्यादा प्रदूषण? दिल्ली के कुछ इलाकों में AQI बेहद ही गंभीर होता जा रहा है। दिल्ली के पंजाबी बाग में सबसे अधिक AQI 446 दर्ज किया गया।

मुंबई हाई कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी, BSE और अमिताभ बच्चन का जलसा भी निशाने पर

मुंबई हाई कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरे ईमेल में BSE, वर्ली रेसकोर्स और अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा का भी उल्लेख किया गया है। मुंबई हाई कोर्ट को बम से उड़ाने का नया धमकी भरा ईमेल मिला है। इस ईमेल में BSE, वर्ली रेसकोर्स और जलसा का भी जिक्र है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुटी हैं। मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक बार फिर बम धमकी मिलने से हड़कंप मच गया है। शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट को धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें कोर्ट को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई। हैरानी की बात यह है कि इस ईमेल में BSE, वर्ली रेसकोर्स और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले 'जलसा' का भी उल्लेख किया गया है। धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान और उसके स्रोत का पता



लगाने में जुटी है। धमकी भरे ईमेल में इन जगहों का जिक्र मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईमेल में मुंबई के कुछ महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। इनमें बॉम्बे हाई कोर्ट, BSE, वर्ली रेसकोर्स और अमिताभ बच्चन का बंगला जलसा शामिल हैं। इन स्थानों का नाम सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई। पुलिस ने धमकी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित परिसरों में जांच और तलाशी की कार्रवाई की। तलाशी में नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा टीमों ने संबंधित स्थानों पर जांच की। शुरुआती तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री मिलने की सूचना नहीं है। हालांकि, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धमकी भरा ईमेल किसने भेजा और इसके पीछे क्या मंशा थी। ईमेल के सोर्स और उसकी विश्वसनीयता का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल धमकी को लेकर किसी वास्तविक विस्फोटक की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई है। दो सप्ताह में दूसरी बार अमिताभ बच्चन के बंगले को धमकी अमिताभ बच्चन के बंगले 'जलसा' का नाम धमकी भरे ईमेल में आने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 23 अक्टूबर को भी मुंबई की मेयर रितु तावड़े के कार्यालय को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। इस ईमेल में अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के आगामी कॉन्सर्ट स्थल महालक्ष्मी रेसकोर्स को भी निशाना बनाने की बात कही गई थी। उस समय भी पुलिस ने संबंधित स्थानों पर सुरक्षा जांच की थी। महाराष्ट्र के कई अदालत परिसरों को भी मिल चुकी है धमकी मुंबई में ताजा धमकी ऐसे समय आई है, जब हाल ही में महाराष्ट्र के कई जिला न्यायालयों को भी बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले थे। 2 नवंबर को ठाणे, पुणे, हिंगोली, बीड, नांदेड़ और अन्य स्थानों के न्यायालय परिसरों में धमकी के बाद सुरक्षा जांच की गई थी।

UPSC CSE Mains Result जारी, इंटरव्यू राउंड के लिए 2,526 उम्मीदवारों का चयन; 11 नवंबर से ऐसे भर सकेंगे फॉर्म



संघ लोक सेवा आयोग ने UPSC Mains के रिजल्ट का ऐलान कर दिया है। अब अंतिम व इंटरव्यू राउंड के लिए कुल 2,526 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। UPSC ने Mains 2026 के रिजल्ट का ऐलान किया इंटरव्यू राउंड के लिए 2,526 उम्मीदवारों का चयन 11 नवंबर से 25 नवंबर तक इंटरव्यू राउंड के फॉर्म भर सकेंगे UPSC की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in से भर सकेंगे फॉर्म लंबे समय से रिजल्ट का इंतजार कर रहे अभ्यर्थी अब अपना रिजल्ट देख सकते हैं। दरअसल, गुरुवार 5 नवंबर को यूपीएससी ने मेन्स परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। जिसके बाद अब चयनित उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए अमंत्रित किया गया है। इंटरव्यू राउंड के लिए अब अभ्यर्थी 11 नवंबर से 25 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। UPSC Interview Round 2026 के लिए ऐसे भरे फॉर्म इंटरव्यू राउंड के लिए चयनित अभ्यर्थियों को 11 नवंबर से फॉर्म भरना है।

ठंड के मौसम में दिल्ली में हवा जहरीली क्यों हो जाती है? जानें 5 बड़े कारण



दिल्ली में सर्दियों के दौरान प्रदूषण तेजी से क्यों बढ़ता है? जानिए पराली, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्य, कचरा जलाने और मौसम की भूमिका से जुड़े पांच बड़े कारण। सर्दियों में तापमान प्रतिलोमन और धीमी हवा प्रदूषित कणों को जमीन के करीब जमा कर देती है। पराली के अलावा वाहन, निर्माण कार्य, कचरा जलाना और अमोनिया भी दिल्ली के प्रदूषण के बड़े स्रोत हैं। GRAP की पाबंदियां पर्याप्त नहीं, प्रदूषण रोकने के लिए पूरे साल सख्त कदम उठाने की जरूरत है। दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होते ही वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ने लगता है। 31 अक्टूबर को राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 117 था, जो एक नवंबर को बढ़कर 261 और दो नवंबर को 324 पहुंच गया। महज दो दिनों में दिल्ली की हवा मध्यम से बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई। तीन नवंबर की सुबह आठ बजे AQI और बढ़कर 330 दर्ज किया गया।

पटियाला में कर्मभूमी एक्सप्रेस में लगी भीषण आग, पंजाब से बिहार जा रही थी ट्रेन

पंजाब से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन में आज शुक्रवार दोपहर अचानक आग लग गई। यह घटना पंजाब के पटियाला जिले में हुई, जब ट्रेन राजपुरा स्टेशन पर पहुंची थी। पंजाब से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन में अचानक आग लग गई। यह घटना पंजाब के पटियाला जिले में राजपुरा स्टेशन की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, किसी भी तरह की हताहत की कोई खबर नहीं है। पंजाब से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस ट्रेन में आज शुक्रवार दोपहर अचानक आग लग गई। यह घटना पंजाब के पटियाला जिले में हुई, जब ट्रेन राजपुरा स्टेशन पर पहुंची थी। आग पर अब काबू पा लिया गया है। ताजा जानकारी के अनुसार, किसी भी तरह की हताहत की कोई खबर नहीं है। भारतीय



रेलवे ने इस घटना की हाई लेवल जांच के आदेश दिए हैं और कहा है कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जाएगी। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। घटना के बाद मची अफरा-तफरी शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह घटना सराय वंजारा गांव के नजदीक की बताई जा रही है। घटनास्थल से कुछ भयानक वीडियोज सामने आए हैं, जिनमें हर तरफ धुआं उठता दिखाई दे रहा है। साथ ही, यात्री घबराकर ट्रेन से बाहर निकलकर खड़े हो गए हैं। चलती ट्रेन में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। प्रारंभ में कई यात्रियों के आग की चपेट में आने की खबरें थीं। आग के कारणों और नुकसान की विस्तृत जानकारी अभी प्रतीक्षित है। फेस्टिव सीजन के चलते ट्रेनों में इन दिनों भारी भीड़ है, ऐसे में इस तरह की घटना चिंता का विषय बन जाती है। घटना पर पटियाला डीसी का बयान कर्मभूमी एक्सप्रेस में आग लगने की घटना के बारे में जानकारी देते हुए पटियाला के डीसी हिमांशु अग्रवाल ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आग पैंट्री से शुरू हुई थी। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डीसी हिमांशु ने बताया कि जानकारी मिली है कि ट्रेन की कुछ बोगियों में आग लग गई थी। यह आग पैंट्री से शुरू होकर अन्य बोगियों तक फैल गई। फायर अलार्म बजने के बाद सभी यात्री सतर्क हो गए और ट्रेन से बाहर निकल गए। अब तक किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है।

सम्पादकीय

दिवाली की छुट्टियां या पढ़ाई का बोझ ?

गृहकार्य, ट्यूशन और अंकों की दौड़ में कहीं बच्चों से उनका बचपन तो नहीं छिन रहा? त्योहार की छुट्टियां तनाव नहीं, आनंद और जीवन के नए अनुभवों का अवसर बनें। विशेष लेख। दिवाली का त्योहार बच्चों के लिए रोशनी, मिठाइयों, रंगोली, किले बनाने और दोस्तों के साथ खेलने का खास अवसर होता है। स्कूलों में छुट्टियां शुरू होते ही बच्चों के चेहरे पर खुशी दिखाई देने लगती है। लेकिन कई घरों में छुट्टियों का आनंद जल्द ही गृहकार्य, ट्यूशन और पढ़ाई के दबाव में बदल जाता है। माता-पिता की ओर से बच्चों को पहले पढ़ाई पूरी करने और उसके बाद खेलने की अनुमति देने जैसी बातें आम हो गई हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बच्चों की दिवाली की छुट्टियां वास्तव में आराम और आनंद के लिए हैं या उन्हें पढ़ाई के अतिरिक्त बोझ से भर दिया गया है? बच्चों को भविष्य में सफल बनाने की कोशिश में कहीं हम उनके वर्तमान बचपन की खुशियां तो नहीं छीन रहे? हर बच्चे की सीखने की क्षमता अलग होती है हर बच्चा अपनी रुचि, समझ और क्षमता के मामले में दूसरे से अलग होता है। सभी बच्चों को एक ही तरीके से पढ़ाना या उनसे समान अपेक्षाएं रखना उचित नहीं है। विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए किताबों से ज्यादा खेल, कहानियां, रंगीन चित्र और गतिविधियों के माध्यम से सीखना प्रभावी होता है। प्ले ग्रुप, नर्सरी और छोटे बालवर्ग के बच्चों की समझ अनुभवों के माध्यम से विकसित होती है। इस उम्र में उन्हें आसपास की चीजों को छूकर, देखकर और सुनकर दुनिया को समझने का अवसर मिलना चाहिए। पहली से चौथी कक्षा के बच्चों के लिए पढ़ने की आदत, भाषा का विकास, साफ-सुथरा लिखना और गणित की बुनियादी जानकारी महत्वपूर्ण है। वहीं पांचवीं से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों में तर्कशक्ति, विषयों की स्पष्ट समझ, प्रयोग करने की क्षमता और स्वयं पढ़ने की आदत विकसित करना जरूरी है। रटने से नहीं, समझने से बढ़ेगी सीखने की क्षमता कई बार बच्चों को एक साथ कई पाठ याद करने और अधिक से अधिक लिखने के लिए कहा जाता है। लेकिन केवल रटने से विषय की गहरी समझ विकसित नहीं होती। कुछ समय के लिए जानकारी याद रह सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि वह लंबे समय तक स्मृति में बनी रहे। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के पाठ्यक्रम और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी रटने के बजाय विषयों की समझ और व्यावहारिक ज्ञान पर जोर दिया गया है। इसलिए छुट्टियों में बच्चों पर पढ़ाई का अतिरिक्त बोझ डालने के बजाय उन्हें ऐसी गतिविधियों में शामिल करना चाहिए, जिनसे उनकी सोचने, समझने और रचनात्मकता की क्षमता बढ़े। दिवाली की गतिविधियों से भी मिल सकती है शिक्षा दिवाली की छुट्टियां बच्चों को किताबी पढ़ाई से अलग कई उपयोगी चीजें सिखाने का अवसर देती हैं। उदाहरण के तौर पर किला बनाना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि इतिहास, मिट्टी के काम, योजना बनाने और मिल-जुलकर काम करने की सीख भी देता है। रंगोली और चित्रकला से रचनात्मकता तथा कला का विकास होता है। कहानी पढ़ना, अपनी कहानी लिखना और प्रकृति का निरीक्षण करना बच्चों की कल्पनाशक्ति को बढ़ाता है। प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के बच्चों को घर के छोटे-मोटे खर्चों का हिसाब रखने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इससे वे रोजमर्रा के जीवन में गणित का उपयोग करना सीखेंगे। इसी तरह पर्यावरण के अनुकूल दिवाली मनाना, प्लास्टिक का उपयोग कम करना और पक्षियों के लिए दाना-पानी रखना बच्चों में प्रकृति और समाज के प्रति संवेदनशीलता पैदा कर सकता है। गृहकार्य और अंकों की दौड़ से बढ़ रहा मानसिक दबाव आज बच्चों पर पढ़ाई का दबाव कई रूपों में दिखाई देता है। स्कूलों का अधिक गृहकार्य, माता-पिता की अंकों को लेकर अपेक्षाएं, निजी ट्यूशन और दूसरे बच्चों से लगातार तुलना उनके मन में पढ़ाई को लेकर डर पैदा कर सकती है। हालांकि, इसके लिए केवल शिक्षकों या माता-पिता को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। वे भी इसी प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा हैं। फिर भी बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए इस व्यवस्था में संतुलन बनाना आवश्यक है। बच्चों को पर्याप्त नींद, रोजाना खेलकूद, आराम और परिवार का भावनात्मक सहयोग मिलना चाहिए। लेख में बच्चों के लिए कम से कम आठ घंटे की शांत नींद और प्रतिदिन दो घंटे मैदानी खेल का समय आवश्यक बताया गया है। शिक्षक और माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण शिक्षकों को छुट्टियों में प्रतिदिन कई पन्ने लिखने जैसा भारी गृहकार्य देने के बजाय रचनात्मक गतिविधियां देनी चाहिए। बच्चों को कोई अच्छी पुस्तक पढ़ने, आसपास की चीजों का निरीक्षण करने या अपने अनुभव लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। माता-पिता को भी बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ डालने के बजाय उनके साथ समय बिताना चाहिए। उनके साथ खेलना, बातचीत करना और उनकी रुचियों को समझना जरूरी है। दिवाली की छुट्टियां बच्चों के मन को नई ऊर्जा देने वाली होनी चाहिए। उन्हें खेलने, घूमने, परिवार के साथ समय बिताने और नई चीजें सीखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। बचपन को प्रतिस्पर्धा नहीं, खुशियों की जरूरत बच्चों की सफलता केवल अच्छे अंकों से तय नहीं होती। उनका आत्मविश्वास, व्यवहारिक ज्ञान, रचनात्मक सोच और भावनात्मक विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पढ़ाई जरूरी है, लेकिन पढ़ाई के नाम पर बच्चों के बचपन और खुशियों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दिवाली की छुट्टियों का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई से पूरी तरह दूर करना नहीं, बल्कि उन्हें पढ़ाई और मनोरंजन के बीच सही संतुलन देना है। जब बच्चे बिना तनाव के खेलेंगे, परिवार के साथ समय बिताएंगे और अपने अनुभवों से सीखेंगे, तभी उनका सर्वांगीण विकास संभव होगा।

दीपोत्सवः भारतीय संस्कृति का सबसे मंगलमय पर्व

दीपावली केवल रोशनी और खुशियों का त्योहार नहीं, बल्कि आशा, ज्ञान, सामाजिक सद्भाव और सामूहिक समृद्धि का प्रतीक; स्थानीय कारीगरों और जरूरतमंदों के जीवन में भी खुशियां पहुंचाने का संकल्प जरूरी विशेष संपादकीय : दीपोत्सव भारतीय लोकसंस्कृति का सबसे मंगलमय और आनंददायी पर्व है। घर-आंगन की सफाई, रंग-बिरंगी रंगोलियां, दरवाजों पर लटकती आकाशकंदील, मिट्टी के दीये, स्वादिष्ट पकवान और सुबह का अभ्यंग स्नान—इन सभी परंपराओं का भारतीय जनजीवन से गहरा जुड़ाव है। वर्षभर की भागदौड़, तनाव और आर्थिक परेशानियों से थके मन को नई ऊर्जा और उम्मीद देने वाला पर्व है दीपावली। दीपावली का मूल संदेश अंधकार पर प्रकाश की विजय है। लेकिन इसका अर्थ केवल घरों को दीयों से रोशन करना नहीं है। यह पर्व हमें अज्ञान, भय, निराशा और भ्रम से बाहर निकलकर ज्ञान, विवेक और आशा का रास्ता अपनाने की प्रेरणा देता है। जिस तरह एक छोटा-सा दीपक घने अंधकार को दूर करने की क्षमता रखता है, उसी तरह सकारात्मक विचार और दृढ़ संकल्प जीवन की कठिन परिस्थितियों को बदल सकते हैं। वैश्विक परिस्थितियों के बीच उम्मीद की नई किरण आज दुनिया तकनीक और आधुनिकता के नए दौर से गुजर रही है। पिछले कुछ वर्षों में युद्धों, अंतरराष्ट्रीय तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रहा है। ऐसे समय में दीपोत्सव का पर्व शांति, स्थिरता और नई उम्मीदों का संदेश लेकर आया है। संपादकीय में अमेरिका के मध्यावधि चुनावों के परिणामों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता के संतुलन की ताकत के रूप में देखा गया है। लेखक का मानना है कि युद्ध और आक्रामक नीतियों पर लोकतांत्रिक नियंत्रण मजबूत होने से विश्व स्तर पर शांति की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। इसी तरह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी परिस्थितियों में बदलाव और भारत सहित चार देशों के लिए इसे खुला रखने के ईरान के रुख को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों को लाभ मिल सकता है। तेल की कीमतों में गिरावट से अर्थव्यवस्था को राहत कच्चे तेल की कीमतें कम होने का असर केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इससे देश के आयात खर्च में कमी आती है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम हो सकता है। साथ ही महंगाई को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। तेल की कीमतों में स्थिरता रहने से रुपये को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती मिल सकती है। इसका सकारात्मक प्रभाव परिवहन, उद्योग, उत्पादन और आम नागरिकों के खर्च पर पड़ सकता है। संपादकीय के अनुसार, वैश्विक परिस्थितियों में सुधार और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। तभी आर्थिक प्रगति का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा। भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है। डिजिटल तकनीक का विस्तार, कर संग्रह में वृद्धि, राजमार्गों और रेलवे नेटवर्क का विकास तथा घरेलू उत्पादन को मिल रहा प्रोत्साहन देश की आर्थिक क्षमता को मजबूत कर रहे हैं। उत्पादन क्षेत्र में विदेशी निवेश बढ़ने के साथ भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। देश में उद्योगों के विस्तार और बुनियादी सुविधाओं के विकास से रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। हालांकि, आर्थिक विकास का वास्तविक लाभ तभी माना जाएगा, जब उसका फायदा समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। केवल बड़े उद्योगों और बाजारों की प्रगति पर्याप्त नहीं है; किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और कमजोर वर्गों के जीवन में भी सुधार होना चाहिए। किसानों की खुशहाली के बिना अधूरा है दीपोत्सव दीपावली के अवसर पर बाजारों में खरीदारी और उत्सव का माहौल दिखाई देता है। लेकिन इस खुशहाली के बीच किसानों की स्थिति को भी समझना जरूरी है। इस वर्ष सूखे के कारण किसान संकट का सामना कर रहे हैं। संपादकीय में उल्लेख किया गया है कि राज्य सरकार के बाद केंद्र सरकार ने भी किसानों के खातों में सीधे सहायता राशि जमा कर राहत देने का प्रयास किया है। त्योहार से पहले मिली आर्थिक सहायता किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन सकती है। दीपावली की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होगी, जब किसान परिवार भी सम्मान और संतोष के साथ अपना त्योहार मना सकें। देश की सीमाओं पर तैनात जवानों का योगदान न भूलें दीपावली के अवसर पर जहां देशभर में लोग परिवार के साथ त्योहार मनाते हैं, वहीं सीमा पर तैनात सैनिक अपनी जिम्मेदारी निभाते रहते हैं। देश की सुरक्षा के लिए जवानों को कई बार त्योहारों पर भी घर से दूर रहना पड़ता है। संपादकीय में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से जुड़ी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का उल्लेख किया गया है। लेख के अनुसार, पिछले एक वर्ष में किसी भी अभियान के दौरान सीआरपीएफ के जवान की जान नहीं गई। वर्ष 1979 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति सामने आने का उल्लेख करते हुए इसे जवानों के साहस और सुरक्षा व्यवस्था की उपलब्धि बताया गया है।

ऊर्जा विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण भी जरूरी

पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं से बिजली की जरूरत पूरी करने में मिलेगी मदद, लेकिन जंगलों, नदियों और प्राकृतिक जलस्रोतों की अनदेखी पड़ सकती है भारी मुंबई। देश में बिजली की बढ़ती मांग और सौर एवं पवन ऊर्जा की अनिश्चित उपलब्धता के बीच पंप्ड स्टोरेज जलविद्युत परियोजनाएं ऊर्जा प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण विकल्प बनकर उभर रही हैं। हालांकि, इन परियोजनाओं के निर्माण के लिए यदि सह्याद्रि की संवेदनशील पहाड़ियों, घने जंगलों और प्राकृतिक जलस्रोतों को नुकसान पहुंचता है, तो इसका असर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महाराष्ट्र की जल सुरक्षा और जैव विविधता भी प्रभावित हो सकती है। पर्यावरण विशेषज्ञ अजिंक्य देशमुख ने अपने लेख में ऊर्जा विकास और प्रकृति संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। सह्याद्रि महाराष्ट्र की प्राकृतिक जीवनरेखा महाराष्ट्र के पश्चिमी हिस्से में फैली सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला राज्य की प्राकृतिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यहां के जंगल वर्षा के पानी को नियंत्रित करने, नदियों के प्रवाह को बनाए रखने, भूजल का पुनर्भरण करने और वन्य जीवों को प्राकृतिक आवास उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। सह्याद्रि का महत्व केवल इसकी हरियाली तक सीमित नहीं है। यहां की मिट्टी, झरने, छोटी नदियां और प्राकृतिक वनस्पतियां मिलकर एक ऐसी पर्यावरणीय व्यवस्था तैयार करती हैं, जिस पर लाखों लोगों का जीवन निर्भर है। इसलिए इस क्षेत्र में बड़े निर्माण कार्यों से पहले उनके दूरगामी प्रभावों का आकलन करना जरूरी है। क्या है पंप्ड स्टोरेज परियोजना? पंप्ड स्टोरेज परियोजना बिजली के भंडारण की एक व्यवस्था है। इसमें अलग-अलग ऊंचाई पर दो जलाशय बनाए जाते हैं। जब बिजली की मांग कम होती है और बिजली उपलब्ध रहती है, तब निचले जलाशय का पानी पंप के माध्यम से ऊपरी जलाशय में पहुंचाया जाता है। इसके बाद जब बिजली की मांग बढ़ती है, तब ऊपरी जलाशय से पानी नीचे छोड़ा जाता है। पानी के दबाव से टरबाइन घूमती है और बिजली पैदा होती है। इस तकनीक से सौर और पवन ऊर्जा की उपलब्धता में होने वाले उतार-चढ़ाव को संभालने में मदद मिल सकती है। लेकिन ऐसी परियोजनाओं के लिए जलाशय, बांध, सुरंगें, सड़कें, बिजली की लाइनें और बड़े निर्माण क्षेत्र तैयार करने पड़ सकते हैं। इससे जंगलों की कटाई, पहाड़ियों की खुदाई और प्राकृतिक आवासों के बंटने का खतरा पैदा होता है।

जंगलों और वन्य जीवों पर पड़ सकता है असर सह्याद्रि क्षेत्र में अनेक प्रकार के वन्य जीव, स्थानीय वनस्पतियां, उभयचर, सरीसृप, कीट और जलचर पाए जाते हैं। इनमें से कई प्रजातियां सीमित क्षेत्रों में ही जीवित रहती हैं। यदि उनके प्राकृतिक आवास नष्ट होते हैं, तो उनके अस्तित्व पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। जलाशयों के निर्माण से जंगलों के हिस्से अलग-अलग हो सकते हैं। सड़कें और बिजली की लाइनें वन्य जीवों के प्राकृतिक आवागमन में बाधा बन सकती हैं। वहीं, प्राकृतिक जलधाराओं के प्रवाह में बदलाव आने से जलीय जीवों के प्रजनन और जीवनचक्र पर भी असर पड़ सकता है। लेख में ब्राजील के बाल्बिना बांध और ऑस्ट्रेलिया की स्नोवी 2.0 परियोजना से जुड़े अध्ययनों का उल्लेख किया गया है। इन अध्ययनों में बड़े जलाशयों और निर्माण कार्यों के कारण जंगलों के बंटने तथा संवेदनशील पर्वतीय पर्यावरण पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की ओर ध्यान दिलाया गया है। हालांकि, अलग-अलग परियोजनाओं की परिस्थितियां अलग होती हैं, इसलिए इन अध्ययनों के निष्कर्षों को सह्याद्रि की हर परियोजना पर सीधे लागू नहीं किया जा सकता। केवल पौधे लगाना पर्याप्त समाधान नहीं परियोजनाओं के कारण यदि किसी पुराने जंगल का विनाश होता है, तो दूसरी जगह पौधे लगाकर उसकी पूरी भरपाई करना संभव नहीं है।

हजारों वर्षों में विकसित हुई प्राकृतिक वन व्यवस्था और नए लगाए गए पौधों के बीच बड़ा अंतर होता है। स्थानीय वनस्पतियां, मिट्टी की गुणवत्ता, जलस्रोत और जीव-जंतुओं का आपसी संबंध एक जटिल प्राकृतिक तंत्र बनाते हैं। किसी जंगल के नष्ट होने से इस पूरी व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। इसलिए पर्यावरणीय नुकसान होने के बाद केवल वृक्षारोपण या मुआवजे के उपायों पर निर्भर रहना उचित नहीं होगा। परियोजना मंजूरी से पहले हो वैज्ञानिक जांच सह्याद्रि में किसी भी पंप्ड स्टोरेज परियोजना को मंजूरी देने से पहले विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन जरूरी है। इसमें यह स्पष्ट होना चाहिए कि कितने जंगल प्रभावित होंगे, किन स्थानीय प्रजातियों के आवास खतरे में पड़ सकते हैं और झरनों, छोटी नदियों तथा भूजल प्रवाह पर क्या असर पड़ेगा। इसके अलावा पहाड़ियों की खुदाई से निकलने वाली मिट्टी और पत्थरों का निपटारा कहां होगा, निर्माण के बाद मिट्टी के कटाव को कैसे रोका जाएगा और पहाड़ी ढलानों की स्थिरता कैसे बनाए रखी जाएगी, इन सभी सवालों के जवाब भी योजना में होने चाहिए। यदि किसी एक क्षेत्र में कई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, तो उनका अलग-अलग आकलन करने के बजाय सभी के संयुक्त प्रभावों की जांच की जानी चाहिए। कई परियोजनाओं के कारण जंगलों का बंटवारा, जलप्रवाह में बदलाव और सड़कों का विस्तार मिलकर कहीं अधिक बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

न महंगी पार्टी, न दिखावा, परिवार के साथ ऐसे दिवाली मनाते हैं पंकज त्रिपाठी



पंकज त्रिपाठी ने अपना दिवाली प्लान बताया है। वह परिवार के साथ 10 मिट्टी के दीये जलाकर लक्ष्मी पूजा करेंगे। वहीं, अदिति राव हैदरी पति सिद्धार्थ के साथ त्योहार मनाएंगी। पंकज त्रिपाठी हर साल परिवार के साथ सादगी से दिवाली मनाते हैं। उनके घर में 10 मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं और घर का खाना बनता है। अभिनेता दिवाली पर लक्ष्मी पूजा करते हैं और सभी की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी दीपावली का त्योहार बेहद सादगी से मनाना पसंद करते हैं। इस बार भी उनका प्लान कुछ खास नहीं, बल्कि परिवार के साथ वक्त बिताने, घर में दीये जलाने और लक्ष्मी पूजा करने का है। वहीं, उनकी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' की को-स्टार अदिति राव हैदरी भी इस साल पति सिद्धार्थ के साथ दीपावली मनाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। पंकज त्रिपाठी ने अपने दीपावली सेलिब्रेशन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके घर में हर साल यह त्योहार बेहद शांत और सादगी भरे अंदाज में मनाया जाता है। इस बार भी वह पत्नी और बच्चों के साथ दीपावली सेलिब्रेट करेंगे। दीपावली हम इस साल सादगी भरे अंदाज में ही मनाएंगे। हम हर साल ऐसी सादगी से बीवी-बच्चों के साथ मनाते आए हैं। घर में 10 मिट्टी के दीये जलते हैं, घर का खाना बनता है, दीया-बाती भी जलती है और लक्ष्मी जी की पूजा होती है। पंकज ने आगे कहा कि मां लक्ष्मी सभी के जीवन में बनी रहें और हर कोई सुखी-संपन्न रहे। पति सिद्धार्थ के साथ दीपावली मनाएंगी अदिति वहीं, अभिनेत्री अदिति राव हैदरी भी इस साल दीपावली को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने बताया कि इस बार वह अपने पति और अभिनेता सिद्धार्थ के साथ त्योहार मनाएंगी। पिछले साल सिद्धार्थ शूटिंग के सिलसिले में अमेरिका में थे, जिस वजह से दोनों साथ में दीपावली नहीं मना पाए थे। अदिति ने कहा कि इस बार सिद्धार्थ उनके साथ हैं और वह इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म के प्रमोशन के बाद उन्हें घर जाने और साथ में त्योहार मनाने का मौका मिलेगा। पहली बार साथ नजर आएंगे पंकज और अदिति बता दें कि पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी जल्द ही फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में एक साथ नजर आएंगे। यह दोनों की पहली फिल्म है। वरुण वी शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा देखने को मिलेगा। कहानी लखनऊ के रंजन दुबे यानी पंकज त्रिपाठी की है, जो एक बड़ी पुश्तैनी हवेली में अकेले रहते हैं। घर के कामकाज के लिए वह एक विज्ञापन निकालते हैं, जिसके बाद दिल्ली से एक महिला हाउस हेल्प के रूप में उनके घर पहुंचती है। इसके बाद उनकी शांत जिंदगी में रोमांस, हंसी-मजाक और सस्पेंस की एंट्री होती है।

रणवीर सिंह की 'प्रलय' के चक्कर में टले क्रिकेट मैच, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने उठाए सवाल



रणवीर सिंह की 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर विवाद हो गया है। आजाद मैदान में शूटिंग के चलते अंडर-14 और अंडर-16 क्रिकेट मैच टल गए, जिससे मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन नाराज है। रणवीर सिंह की फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र सरकार के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने आजाद मैदान में छह घंटे की शूटिंग की अनुमति दी थी। शूटिंग के कारण अंडर-14 और अंडर-16 के इंटर-स्कूल क्रिकेट मैच पोस्टपोन करने पड़े। रणवीर सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' को लेकर चर्चा में हैं। 'धुरंधर 2' की शानदार सफलता के बाद एक्टर के इस नए प्रोजेक्ट से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। यह एक जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है, जिसकी कहानी मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ कल्याणी प्रियदर्शन नजर आएंगी, जबकि इसका निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं।

नयनतारा की फिल्म को मिले शानदार रिव्यू, फैंस बोले- पैसा वसूल एंटरटेनर



नयनतारा की मूकुथी अम्मान 2 को सोशल मीडिया पर शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। दर्शकों ने फिल्म के विजुअल्स, म्यूजिक और एक्ट्रेस की स्क्रीन प्रेजेंस की तारीफ की है। नयनतारा की मूकुथी अम्मान 2 को सोशल मीडिया पर मिला शानदार रिस्पॉन्स फैंस ने नयनतारा की स्क्रीन प्रेजेंस और म्यूजिक की तारीफ की भक्ति, फैंटेसी और थ्रिलर का अनोखा मेल है फिल्म की कहानी साउथ फिल्म इंडस्ट्री की लेडी सुपरस्टार नयनतारा की फिल्म मूकुथी अम्मान 2 बड़े पर्दे पर दस्तक दे चुकी है। ये साल 2020 में आयी सुपरहिट तमिल फैंटेसी-कॉमेडी फिल्म मूकुथी अम्मान का आधिकारिक सीक्वल है। नयनतारा की इस फिल्म को लेकर अब सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन भी सामने आने लगे हैं। कई फैंस ने इसको लेकर एक्स पर अपनी राय रखी है। फिल्म को सोशल मीडिया पर एक शानदार फैंटेसी एंटरटेनर बताया जा रहा है। ऑडियंस को इसका भक्ति से जुड़ा अंदाज, शानदार विजुअल्स और फैमिली एंटरटेनमेंट पसंद आ रहा है। खास तौर पर नयनतारा की स्क्रीन प्रेजेंस और हिपहॉप तमिझा के म्यूजिक की तारीफ हो रही है। शानदार फैंटेसी एंटरटेनर नयनतारा की इस फिल्म को लेकर एक यूजर ने एक्स पर लिखा मूकुथी अम्मान2 एक शानदार फैंटेसी एंटरटेनर है जिसमें भक्ति के एलिमेंट्स को शानदार विजुअल्स और फैमिली-फ्रेंडली एंटरटेनमेंट के साथ मिलाया गया है। सुंदर सी ने फिल्म को बड़े स्केल पर पेश किया है, जिससे यह सभी उम्र के दर्शकों को पसंद आएगी। @hiphoptamizha म्यूजिक फिल्म की एक बड़ी ताकत है। खासकर उनका बैकग्राउंड स्कोर। नयनतारा एक बड़ी हाइलाइट हैं, जो अपनी स्क्रीन प्रेजेंस और चार्म से रोल को निभाती हैं। विजुअल्स और आसान कहानी कहने का तरीका इस अनुभव को और बेहतर बनाता है, जिससे यह फैमिली ऑडियंस के लिए एक मज़ेदार थिएटर आउटिंग बन जाती है। नयनतारा की जमकर की तारीफ एक और यूजर ने लिखा कि नयनतारा स्क्रीन पर ज़बरदस्त प्रेजेंस और देवी जैसी आभा वाली मसीहा। 2K किड्स अम्मान सच में। @SundarCOffl स्क्रीनप्ले और एलिवेशन बहुत अच्छे थे। ज़बरदस्ती की कॉमेडी और बेहतर CGI काम कर सकता था। @hiphoptamizha बैकग्राउंड म्यूजिक ने अच्छा काम किया। रिफ्रेशिंग सिनेमैटिक एक्सपीरियंस महाशक्ति फिल्म में नयनतारा के दमदार लीड रोल के साथ एक दिव्य फैंटेसी एक्सपीरियंस लेकर आई है। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस, रेजिना कैसेंड्रा की शानदार परफॉर्मेंस और फिल्म के शानदार भक्ति वाले एलिमेंट इसे देखने में दिलचस्प बनाते हैं। VFX और धीमी कहानी विजुअल एक्सपीरियंस पर असर डालती है। कुल मिलाकर एक अनोखी कोशिश जो एक रिफ्रेशिंग सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देती है! क्या है फिल्म की कहानी? यह फिल्म पहली फिल्म की तरह एक सोशल सटायर (व्यंग्य) न होकर पूरी तरह से एक डिवोनल फैंटेसी-थ्रिलर है।

दूसरे वनडे पर बारिश का साया!: कैसा रहेगा वेलिंगटन का मौसम, कब-कहां और कैसे देखें भारत-न्यूजीलैंड मैच?



भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले पर भी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। शनिवार को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इससे पहले ऑकलैंड में खेला गया सीरीज का पहला वनडे भी बारिश से प्रभावित रहा था। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें दूसरे मुकाबले के मौसम पर टिकी हुई हैं। दूसरे वनडे पर बारिश का खतरा वेलिंगटन में शुक्रवार को दिन के पहले हिस्से में बारिश हुई, जिसके चलते दोनों टीमों को अपने अभ्यास सत्र की योजना में बदलाव करना पड़ा।

दूसरे वनडे में आकिब नबी का कटेगा पत्ता! सिराज की वापसी पर नजरें; कैसी होगी प्लेइंग-11?



भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को वेलिंगटन में दूसरा वनडे खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय तेज गेंदबाजों से एक बार फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। दूसरे मुकाबले में मोहम्मद सिराज की वापसी के आसार हैं, जिससे आकिब नबी को बाहर बैठना पड़ सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय टीम शनिवार को दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज पर अपनी पकड़ मजबूत करने उतरेगी। वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मुकाबले में भारतीय प्लेइंग-11 पर सबकी नजरें होंगी। खासतौर पर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी और युवा गेंदबाज आकिब नबी की जगह को लेकर चर्चा तेज है। सिराज को मिलेगा मौका या नबी पर फिर भरोसा जताएंगे गिल? ऑकलैंड में खेले गए पहले वनडे में भारतीय तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया था। अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़ और अंशुल कंबोज ने मिलकर न्यूजीलैंड के सभी 10 विकेट हासिल किए थे। अर्शदीप ने चार विकेट झटके, जबकि गुरनूर को तीन और अंशुल कंबोज को दो सफलताएं मिलीं। वहीं, आकिब नबी को कोई विकेट नहीं मिला था। ऐसे में दूसरे वनडे के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को प्लेइंग-11 में शामिल किए जाने की संभावना है। सिराज इंडिया ए के साथ अपने रेड-बॉल मुकाबलों की जिम्मेदारी पूरी करने के बाद टीम के साथ जुड़ चुके हैं। हालांकि, आकिब नबी को एक और मौका मिलेगा या सिराज उनकी जगह लेंगे, इस पर भारतीय टीम प्रबंधन ने अभी कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच शुभदीप घोष ने भी सिराज के खेलने के सवाल पर कहा कि इस बारे में फैसला टीम प्रबंधन करेगा। इससे प्लेइंग-11 को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। गेंदबाजों से फिर दमदार प्रदर्शन की उम्मीद पहले वनडे में भारतीय तेज गेंदबाजों ने अपनी गति और उछाल से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था।

13 नवंबर 2026 को क्या दुनिया खत्म हो जाएगी? 1960 में क्या भविष्यवाणी हुई थी

13 नवंबर 2026 को दुनिया खत्म होने की चर्चा क्यों हो रही है? जानिए 1960 के वैज्ञानिक अध्ययन, आबादी के गणितीय अनुमान और सूर्य की गतिविधियों से जुड़ी सच्चाई। 1960 के एक वैज्ञानिक अध्ययन में गणितीय मॉडल के आधार पर 13 नवंबर 2026 को वैश्विक आबादी अनंत होने का अनुमान लगाया गया था। मिशेल टेकला के पुराने लेख और सौर तूफानों की चर्चा ने दुनिया के अंत की आशंकाओं को फिर हवा दी है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, वैश्विक आबादी 2080 के दशक में करीब 10.3 अरब पहुंच सकती है, दुनिया खत्म होने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। 13 नवंबर 2026 को लेकर सोशल मीडिया पर दुनिया के खत्म होने की चर्चा तेज हो गई है। कई मीडिया संस्थानों में भी इस तारीख को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि करीब 66 साल पहले वैज्ञानिकों ने इसी दिन दुनिया के अंत की भविष्यवाणी की थी। हालांकि, इस दावे के पीछे की कहानी कुछ और है। वैज्ञानिकों ने वास्तव में दुनिया के विनाश की नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ती वैश्विक आबादी के एक गणितीय अनुमान की बात की थी। इसकी शुरुआत चार नवंबर 1960 को हुई थी, जब अमेरिकी विज्ञान पत्रिका साइंस में तीन शोधकर्ताओं का एक अध्ययन प्रकाशित हुआ। इसका शीर्षक था 'डूम्सडेः फ्राइडे, 13 नवंबर, एडी 2026'। इसमें



बताया गया था कि अगर दुनिया की आबादी ऐतिहासिक रफ्तार से बढ़ती रही, तो गणितीय मॉडल के मुताबिक 13 नवंबर 2026 को उसकी संख्या अनंत हो जाएगी। लेकिन क्या इसका मतलब वास्तव में दुनिया का अंत है? आइए समझते हैं। 1960 में वैज्ञानिकों ने क्यों बताई थी 13 नवंबर की तारीख? इस अध्ययन को ऑस्ट्रियाई-अमेरिकी भौतिक विज्ञानी हाइन्ज फॉन फॉर्स्टर ने पैट्रिशिया मोरा और लॉरेंस एमियट के साथ मिलकर तैयार किया था। तीनों अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में काम करते थे। शोधकर्ताओं ने ईसवी सन् की शुरुआत से 1958 तक दुनिया की आबादी से जुड़े 24 ऐतिहासिक अनुमानों का अध्ययन किया। उन्होंने आबादी बढ़ने के पैटर्न को समझने के लिए एक गणितीय मॉडल तैयार किया। इस मॉडल के मुताबिक, इंसानों की आबादी केवल एक निश्चित दर से नहीं बढ़ती, बल्कि समय के साथ उसकी वृद्धि की रफ्तार भी तेज होती जाती है। इसे हाइपरबोलिक ग्रोथ कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने माना कि इंसानों की आपसी बातचीत, सहयोग और संगठन बनाने की क्षमता ने उन्हें प्राकृतिक सीमाओं के बावजूद तेजी से बढ़ने में मदद की। इसी आधार पर उन्होंने अनुमान लगाया कि नवंबर 2026 में आबादी का गणितीय आंकड़ा अनंत तक पहुंच जाएगा। क्या 13 नवंबर को सचमुच खत्म हो जाएगी दुनिया? इस अध्ययन का शीर्षक भले ही डराने वाला हो, लेकिन इसका अर्थ दुनिया का वास्तविक विनाश नहीं था। वैज्ञानिकों ने न तो किसी एस्टेरॉयड के पृथ्वी से टकराने की भविष्यवाणी की थी और न ही भूकंप, ज्वालामुखी या सूर्य के विस्फोट से मानव जाति के खत्म होने की बात कही थी। दरअसल, डूम्सडे यानी कयामत का दिन शब्द का इस्तेमाल एक काल्पनिक गणितीय स्थिति के लिए किया गया था। इसमें आबादी का आंकड़ा अनंत होने की बात कही गई थी।

ट्रंप प्रशासन से इस्तीफा देंगे मार्को रुबिया! चुनावी हार के बाद आई बड़ी रिपोर्ट, विकल्प खोज रहें विदेश मंत्री



ट्रंप प्रशासन छोड़ने की अटकलों के बीच अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने चुप्पी तोड़ी। उन्होंने इस्तीफे की खबरों को अफवाह बताया और ट्रंप के साथ रहने की बात कही। मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन छोड़ने की खबरों को महज अफवाह बताया रुबियो ने कहा कि वह ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने तक उनके साथ काम करना चाहते हैं 2028 में जेडी वेंस के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर रुबियो ने समर्थन देने की बात कही अमेरिका में हाल ही में मध्यावधि चुनाव संपन्न हुए। इन चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी ने अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में अपना बहुमत खो दिया है। इसके साथ ही ट्रंप प्रशासन से जुड़े बड़े अधिकारियों और नेताओं के इस्तीफा देने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी बीच खबर आई कि अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रुबियो भी ट्रंप का साथ छोड़ सकते हैं। मार्को रुबियो के ट्रंप प्रशासन छोड़ने की खबर ऐसे समय में आई, जब ट्रंप की करीबी और अमेरिकी न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की प्रमुख हरमीत ढिल्लों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में रुबियो के इस्तीफे की खबर से अमेरिकी सियासत में हलचल मच गई। हालांकि इन खबरों पर बात करते हुए रुबियो ने इन्हें मात्र अफवाह बताया। उन्होंने कहा कि वह ऐसा कुछ नहीं कर रहे हैं। क्या ट्रंप प्रशासन से इस्तीफा देंगे रुबियो? मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ऐतिहासिक हार के बाद मार्को रुबियो को लेकर ब्लूमबर्ग ने एक रिपोर्ट पेश की थी। जिसमें दावा किया गया था कि रुबियो चुनाव में मिली हार के बाद अपने लिए विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए अपने इंटरव्यू में रुबियो ने स्पष्ट किया कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह ट्रंप के कार्यकाल के अंत तक उनके साथ काम करना चाहते हैं।

न्यूयॉर्क के बाद ट्रंप से छिन गया LA, भारतीय मूल की नित्या बनी मेयर तो भड़के राष्ट्रपति, बोले- शर्मनाक

अमेरिका में चुनावी झटकों के बीच ट्रंप की मुश्किलें बढ़ीं। हरमीत ढिल्लों ने इस्तीफा दिया, जबकि लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। हरमीत ढिल्लों के इस्तीफे के बाद ट्रंप प्रशासन को एक और बड़ा झटका लगा लॉस एंजिल्स में भारतीय मूल की नित्या रमन नई मेयर चुनी गईं ट्रंप ने लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन के चुनावी नतीजों को शर्मनाक बताया अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में मिली हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगातार झटके लगते जा रहे हैं। चुनावी हार के बाद ट्रंप प्रशासन की करीबी और अमेरिकी न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की प्रमुख हरमीत ढिल्लों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसी बीच ट्रंप को एक और बड़ा झटका लगा है रिपब्लिकन पार्टी के हाथ से लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन के मेयर पद



भी छिन गए हैं। वाशिंगटन में जहां डेमोक्रेटिक पार्टी की जेनीज लुईस जॉर्ज मेयर पद संभालेंगी। वहीं, भारतीय मूल की नित्या रमन लॉस एंजिल्स की नई मेयर बनेंगी। ट्रंप ने हाल ही में लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन में पार्टी को मिली हार को लेकर प्रतिक्रिया दी। राष्ट्रपति ने नतीजों को शर्मनाक बताया। चुनाव में हमारे साथ हुई बेईमानी डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे बेईमान बताया। उन्होंने लॉस एंजिल्स के चुनाव के नतीजों का जिक्र करते हुए इसे बेहद शर्मनाक बताया। ट्रंप के मुताबिक, उन्हें उम्मीद थी कि रिपब्लिकन उम्मीदवार स्पेंसर प्रैट की जीत होगी और बाकी लोगों को भी ऐसा ही लग रहा था। उन्होंने कहा कि अमेरिका में चुनाव इतने बेईमान हो गए हैं कि लोगों को इसका अंदाजा भी नहीं है। अगर इतिहास पर नजर डालें तो यह एक बड़ी तबाही साबित हो सकती है।

इजरायल में नेतन्याहू की कुर्सी पर खतरा ! गादी आइसेनकोट को अरब दलों का साथ; लेकिन क्यों फंसा पेंच?



इजरायल में बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता पर संकट गहराया है। पूर्व रक्षा प्रमुख आइसेनकोट को 67 सांसदों का समर्थन मिला है। हालांकि, अलग-अलग दलों को साथ लाकर सरकार बनाना बड़ी चुनौती होगी। गादी आइसेनकोट को इजरायल की 120 सदस्यीय संसद में 67 सांसदों का समर्थन मिला। सैन्य सेवा से छूट का कानून नहीं बनने पर नेतन्याहू के पुराने सहयोगी UTJ ने साथ छोड़ दिया।

जॉइंट लिस्ट के समर्थन से आइसेनकोट मजबूत हुए, लेकिन गठबंधन में शामिल होने से उसने इनकार किया। इजरायल की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

पाकिस्तान के पंजाब में बस और ट्रक में भीषण टक्कर, 12 लोगों की दर्दनाक मौत; 32 घायल, 5 की हालत गंभीर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पाकपट्टन के देपालपुर रोड पर यात्री बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 घायल हुए हैं। देपालपुर रोड पर बस और ट्रक की भीषण टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पलट गई। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने बस हादसे में हुई मौतों पर गहरा दुख जताया। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पाकपट्टन के देपालपुर रोड पर बस और ट्रक की भीषण टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 32 लोग घायल हुए, जिनमें पांच की हालत गंभीर है। पंजाब प्रांत में गुरुवार शाम एक यात्री बस और ट्रक की जोरदार टक्कर हुई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि इसमें 12 लोगों की मौत



हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पंजाब इमरजेंसी एंड रेस्क्यू सर्विस ने इस घटना की जानकारी दी। पाकिस्तान में बस-ट्रक की भीषण टक्कर कैसे हुई? यह हादसा लाहौर शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर पाकपट्टन के देपालपुर रोड पर हुआ। पंजाब इमरजेंसी एंड रेस्क्यू सर्विस (रेस्क्यू 1122) के अनुसार, यात्री बस पंजाब के साहीवाल जिले से कसूर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक ट्रक से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद पलटी बस बचाव विभाग ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पलट गई। घायलों को बाहर निकालने के लिए बचाव कर्मियों को बस की धातु की सीटों और अन्य हिस्सों को काटने के लिए विशेष कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। रेस्क्यू 1122 ने बताया, "10 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।" उन्होंने बताया, "घायल हुए 32 लोगों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।" चश्मदीदों के हवाले से विभाग ने बताया कि यह हादसा बस ड्राइवर की गलती से हुआ, जो सिंगल-लेन सड़क पर बस को बहुत तेज रफ्तार से चला रहा था। तीन घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, मृतकों में एक पुलिस अधिकारी और एक सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। बचाव दलों को घायलों और मृतकों को अस्पताल पहुंचाने में तीन घंटे से ज्यादा का समय लगा।

BJP अजीबोगरीब पार्टी, गोकुल विवाद

के सूखे से गुजर रही है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के प्रमुख राज ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक आक्रामक पोस्ट साझा करते हुए राज ठाकरे ने बीजेपी के राजनीतिक तौर-तरीकों और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक बेहद अजीबोगरीब संगठन है, जो जमीनी स्तर से लेकर सत्ता के सर्वोच्च शिखर तक काबिज होने के बावजूद लोकतंत्र बचाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित करती है। शायद दुनिया के इतिहास में यह इकलौता ऐसा मामला है, जहां देश की सत्ताधारी पार्टी ही विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आती है। राज ठाकरे का सोशल मीडिया पोस्ट राज ठाकरे ने सोशल मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारतीय जनता पार्टी एक अजीबोगरीब संगठन है। जमीनी स्तर से लेकर सत्ता के सर्वोच्च शिखर तक काबिज होने के बावजूद, यह लोकतंत्र बचाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन आयोजित करती है। शायद दुनिया में यह इकलौता ऐसा मामला है, जहां सत्ताधारी पार्टी ही विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उतर आती है। रा भाजपा समझदारी के सूखे से गुजर रही मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भाजपा तंज कसते हुए लिखा कि यह वाकई हैरानी की बात है कि महाराष्ट्र इस समय पानी के भीषण सूखे से जूझ रहा है, जबकि भारतीय जनता पार्टी खुद समझदारी के भीषण सूखे से गुजर रही है। भाजपा लोकतंत्र का गला घोंट रही राज ठाकरे कहा कि सत्ता में रहते हुए वे लोकतंत्र बचाने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं, जबकि असल में वे खुद ही लोकतंत्र का गला घोंट रहे होते हैं। जब उनके कार्यकाल में चरमपंथी हमले होते हैं या कानून-व्यवस्था बिगड़ती है, तो वे देश को आतंकवाद से बचाने के लिए मार्च निकालते हैं। अब जब देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह गिर गई है, तो शायद वे अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए भी विरोध प्रदर्शन करेंगे। ज ठाकरे ने गोकुल चुनाव को लेकर बोला तीखा हमला राज ठाकरे ने आगे लिखा अगर भाजपा को सच में लोकतंत्र को बचाए रखने को लेकर चिंतित है, तो गोकुल मामले में उनके कदमों को कैसे समझा जाए? जब सतेज पाटिल के नेतृत्व वाले पैनल ने BJP के पैनल के खिलाफ 13 सीटें जीतीं, तो BJP ने सरकार का इस्तेमाल करते हुए तुरंत पांच अतिरिक्त निदेशक नियुक्त कर दिए और उन्हें वोट देने का अधिकार भी दे दिया। ऐसा करके वे आखिर क्या साबित करना चाहते हैं? लोकतंत्र की परवाह होती, तो ऐसे हथकंडे नहीं अपनाते गोकुल दूध संघ में चुने गए सदस्य एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए, गुप्त मतदान से जीते थे। अगर BJP को सच में लोकतंत्र की परवाह होती, तो वे कभी ऐसे हथकंडे नहीं अपनाते। सिर्फ इसलिए कि वे गोकुल में सत्ता हासिल नहीं कर पाए, उन्होंने अपने सारे उसूल ताक पर रख दिए और फिर भी, उनमें लोकतंत्र बचाने के लिए विरोध प्रदर्शन करने की हिम्मत है।

महाराष्ट्र के 305 तहसीलों में सूखे

के माध्यम से पेश करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को निर्धारित की गई है। भूमिहीन मजदूरों के लिए बेरोजगारी भत्ते की मांग स्वाभिमानी मजदूर संघ की ओर से दाखिल जनहित याचिका में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को अधिसूचित अकुशल श्रमिकों के न्यूनतम वेतन के आधार पर बेरोजगारी भत्ता और आर्थिक सहायता देने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सूखे के कारण खेती से जुड़े रोजगार के अवसर कम हो गए हैं। ऐसे में रोजाना मजदूरी पर निर्भर परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। मु जमीन मालिकों तक सीमित हैं राहत योजनाएं? याचिकाकर्ताओं के अनुसार, राजस्व में छूट और अल्पकालीन फसल ऋण के पुनर्गठन जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ मुख्य रूप से जमीन मालिकों और बैंकों से फसल ऋण लेने वाले किसानों को मिलता है। भूमिहीन मजदूरों के पास न जमीन होती है और न ही औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से लिया गया फसल ऋण। इस वजह से वे राहत योजनाओं से बाहर रह जाते हैं। संघ ने इसे मनमाना वर्गीकरण बताते हुए संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन करार दिया है। अब बॉम्बे हाईकोर्ट में 17 नवंबर को होने वाली सुनवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं। फ्त अनाज, पानी और पशुओं के चारे की मांग याचिका में महाराष्ट्र सूखाग्रस्त इलाकों में बिना किसी शर्त के मुफ्त अनाज और भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इसके अलावा पीने के पानी के लिए टैंकरों की व्यवस्था और पशुओं के लिए पर्याप्त चारा मुहैया कराने की मांग भी उठाई गई है।

फ्यूचर रिटेल पर CBI का शिकंजा

गया। इससे शिकायतकर्ता बैंक को 904.32 करोड़ रुपये का कथित नुकसान हुआ। मुं सरकारी अधिकारियों की भूमिका की भी जांच CBI अब पूरे मामले में कथित साजिश की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि बैंक से लिए गए कर्ज की रकम का वास्तविक इस्तेमाल कहां और किस उद्देश्य से किया गया। साथ ही इस मामले में शामिल निजी व्यक्तियों के अलावा अज्ञात सरकारी अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। मामले की जांच जारी है। बई में कई ठिकानों पर छापेमारी CBI ने 4 नवंबर 2026 को मामला दर्ज करने के बाद 6 नवंबर को मुंबई शहर में फ्यूचर रिटेल के प्रमोटर्स और निदेशकों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान जांच से संबंधित कई महत्वपूर्ण और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया है।

मुंबई में अवैध निर्माणों पर BMC

लिए बीएमसी की ऑनलाइन शिकायत प्रणाली कितनी प्रभावी है, इसका खुलासा आरटीआई के तहत मिली जानकारी से हुआ है। पिछले 10 वर्षों में बीएमसी की आरईटीएमएस प्रणाली पर अवैध निर्माणों से संबंधित 2,14,917 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से केवल 13,211 मामलों में ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी की गई। यह कुल शिकायतों का महज 6।15 प्रतिशत है। इससे अवैध निर्माणों के खिलाफ मनपा की कार्रवाई और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीएमसी ने 1 मार्च 2016 को नागरिकों को अवैध निर्माणों की शिकायत दर्ज कराने के लिए आरईटीएमएस ऑनलाइन प्रणाली शुरू की थी। आरटीआई कार्यकर्ता शकील अहमद शेख ने पूर्वी उपनगर के अतिक्रमण एवं निष्कासन विभाग से इस संबंध में जानकारी मांगी थी। 26 अक्टूबर 2026 तक की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2,14,917 शिकायतों में से 1,16,228 को डुप्लीकेट घोषित किया गया। इस तरह वास्तविक शिकायतों की संख्या 98,689 रह गई। आंकड़ों के मुताबिक, मुंबई महानगरपालिका ने 60,332 नोटिस तैयार किए, जिनमें से 57,521 जारी किए गए। वहीं, 31,486 मामलों में कारण बताओ आदेश जारी हुए और 29,916 मामलों में ध्वस्तीकरण आवश्यक बताया गया। इसके बावजूद केवल 13,211 मामलों में तोड़क कार्रवाई पूरी हुई। इसके अलावा 15,318 मामलों में ध्वस्तीकरण की व्यवस्था करना बाकी था, जबकि 13,734 शिकायतें बंद होने की प्रतीक्षा में थीं। एल विभाग में अधिक शिकायत शिकायतों के मामले में एल विभाग सबसे आगे रहा। यहां 30.935 शिकायतों के मुकाबले केवल 637 ध्वस्तीकरण किए गए। के/पूर्व विभाग में 24,064 शिकायतों पर 1,325, एम/पूर्व में 14,510 शिकायतों पर महज 159, पी/दक्षिण में 14,424 शिकायतों पर 1,932 और के/पश्चिम विभाग में 11,433 शिकायतों पर 1,683 मामलों में कार्रवाई हुई। आरटीआई कार्यकर्ता शकील अहमद शेख ने आरोप लगाया कि अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जाते है, लेकिन जमीनी स्तर पर परिणाम संतोषजनक नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि 1.16 लाख शिकायतों को डुप्लीकेट घोषित करने के क्या मानदंड अपनाए गए। बोरीवली पूर्व के बेस्ट बस डिपो के लिए आरक्षित भूखंड पर अवैध निर्माणों के मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद हुई कार्रवाई का हवाला देते हुए उन्होंने प्रशासन की सक्रियता पर सवाल उठाए है।

बाळासाहेब ठाकरे के नाम पर बने आर्ट

को घेरा आर्ट गैलरी के निर्माण कार्य में कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर इसे बंद रखने के मुद्दे पर मंत्री सरनाईक ने सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन लोगों पर खुद भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं, उन्हें इस तरह की महत्वपूर्ण परियोजना पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार कैसे मिल सकता है? उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग विकास परियोजनाओं में बाधाएं पैदा करते हैं और काम पूरा होने के बाद उसका श्रेय लेने के लिए आगे आ जाते हैं। उनके अनुसार, शहर में उनके प्रयासों से लाई गई करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं को लेकर राजनीतिक द्वेष के कारण विवाद खड़ा किया जा रहा है। क्लस्टर से मेट्रो तक, विकास कार्यों के श्रेय पर विवाद मंत्री सरनाईक ने क्लस्टर योजना, मेट्रो परियोजना, पानी की समस्या और पुरानी व खतरनाक इमारतों के पुनर्विकास का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में क्लस्टर योजना का विरोध किए जाने के कारण 178 से अधिक भूमिहीन और गरीब परिवारों को बेघर रहने की स्थिति का सामना करना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि शासन स्तर पर लगातार प्रयास करके मिनी क्लस्टर का अध्यादेश हासिल किया गया, लेकिन अब उसी काम का श्रेय लेने की कोशिश की जा रही है। 'बालासाहेब के नाम की अस्मिता के लिए आर्ट गैलरी चलाकर दिखाऊंगा' पूरे मामले पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि शहर के विकास के लिए मेहनत हम करें, परियोजनाओं के रास्ते में बाधाएं दूसरे लोग खड़ी करें और काम पूरा होने के बाद श्रेय लेने के लिए आगे आ जाएं, यह राजनीति अब मीरा-भाईंदर में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे के नाम पर बनी आर्ट गैलरी को जीवित रखने और उसकी अस्मिता कायम रखने के लिए वे इसे अपने खर्च पर चलाने के लिए तैयार हैं। महापौर केवल उन्हें लिखित रूप में यह बता दें कि महानगरपालिका के पास इसके संचालन के लिए आर्थिक स्थिति नहीं है। मंत्री सरनाईक के इस ऐलान के बाद आर्ट गैलरी के संचालन को लेकर मीरा-भाईंदर की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।

धनतेरस पर खरीदारी का उत्साह, बाजारों में ग्राहकों की भीड़; देश में ₹1.25 लाख करोड़ के व्यापार का अनुमान

धनतेरस पर देशभर में खरीदारी का जबरदस्त उत्साह। सोने-चांदी, ऑटोमोबाइल और पारंपरिक वस्तुओं की बिक्री से 1.25 लाख करोड़ के व्यापार का अनुमान। धनतेरस पर मुंबई महानगर सहित देशभर में खरीदारी का भारी उत्साह देखने को मिला। महंगाई के बावजूद अधिकांश खुदरा बाजारों में खरीदारी के लिए ग्राहकों की भीड़ दिखी। माता लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की मूर्तियों सहित अन्य वस्तुओं की



जमकर खरीद हुई। शुक्रवार को धनतेरस पर मुंबई महानगर सहित देशभर में खरीदारी का भारी उत्साह देखने को मिला। महंगाई के बावजूद अधिकांश खुदरा बाजारों में ग्राहकों का तांता लगा रहा और सोने-चांदी, ऑटोमोबाइल, बर्तन, रसोई के सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली के उपकरण, मेवे, मिठाई, माता लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की मूर्तियों सहित अन्य शुभ वस्तुओं की जमकर खरीदी की। व्यापार महासंघ 'कैट' के आरंभिक अनुमान के मुताबिक, इस साल देश भर में धनतेरस के शुभ अवसर पर करीब 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कुल 1.25 लाख करोड़ से अधिक का रिकॉर्ड व्यापार होने का अनुमान है. जबकि अकेले मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में करीब 11,000 करोड़ रुपये के कारोबार दर्ज हुआ। सोना-चांदी में मंदी का उठाया फायदा धनतेरस पर सर्राफा बाजारों में भी अच्छी बिक्री हुई। पिछले एक माह में सोना-चांदी में 5 से 15 प्रतिशत की बड़ी गिरावट से ग्राहकों का उत्साह बढ़ा और मंदी का फायदा उठाते हुए लोगों ने सोने के आभूषण, चांदी के बर्तन और सिक्कों की खरीदी कर कीमती धातुओं में शुभ अवसर पर निवेश किया।

पृष्ठ 1/8 का शेष

मुंबई एयरपोर्ट पर ड्रग तस्करी का

पर कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के एक कथित सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान बैंकॉक से आए दो भूटानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने उनके सामान से करीब तीन किलोग्राम हाई-ग्रेड गांजा बरामद किया है। जांच में सामने आया है कि तस्करी के लिए चॉकलेट के रैपर और कार्टन का इस्तेमाल किया जा रहा था। चॉकलेट रैपर में छिपाए थे पैकेट कस्टम सूत्रों के मुताबिक, पहली कार्रवाई में बैंकॉक से पहुंचे भूटानी यात्री त्शेरिंग को संदेह के आधार पर रोका गया। उसके सामान की गहन तलाशी लेने पर कमर्शियल चॉकलेट रैपर के भीतर छिपाए गए सात वैक्यूम सील पैकेट मिले। मुंबई एयरपोर्ट पर कुल 1,452 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान यात्री ने कथित तौर पर बताया कि उसे जल्दी और आसानी से पैसे कमाने का लालच देकर इस अवैध गतिविधि में शामिल किया गया था। कस्टम अधिकारियों ने एनडीपीएस एक्ट के तहत उसका बयान दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। दूसरे यात्री के सामान से भी मिला गांजा पहली कार्रवाई के बाद एआईयू ने बैंकॉक से आए एक अन्य भूटानी नागरिक ताशी तेनजिन को भी जांच के लिए रोका। उसके सामान की तलाशी में चॉकलेट के सात कार्टन बॉक्स के भीतर छिपाकर रखा गया करीब 1,500 ग्राम गांजा बरामद हुआ। तस्करी के सामान के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने पर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। आर्थिक प्रलोभन देकर बना रहे कैरियर कस्टम अधिकारियों को आशंका है कि इस मामले के पीछे एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क सक्रिय है। शुरुआती जांच के अनुसार, सिंडिकेट कथित तौर पर भूटान जैसे पड़ोसी देशों के नागरिकों को आर्थिक प्रलोभन देकर ड्रग्स की खेप एक देश से दूसरे देश तक पहुंचाने के लिए कैरियर के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। अधिकारियों की जांच अब इस बात पर केंद्रित है कि गिरफ्तार यात्रियों को गांजा किसने सौंपा था और भारत में इसकी डिलीवरी किसे की जानी थी। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

महाराष्ट्र में क्यों नहीं मिल रही

लगाने का आदेश जारी किया। यह कार्रवाई मुख्य रूप से उत्पाद की वास्तविक संरचना और बोतल पर दी गई जानकारी को लेकर की गई थी। FSSAI का कहना था कि संबंधित उत्पादों में न्यूट्रल स्पिरिट के साथ बाहर से रम का फ्लेवर मिलाया जाता है। ऐसे में उन्हें सीधे 'रम' के नाम से बेचना सही नहीं है। नियामक के अनुसार, उत्पाद की वास्तविक प्रकृति और उसमें इस्तेमाल किए गए फ्लेवर की जानकारी लेबल पर स्पष्ट होनी चाहिए। इसके लिए 'रम-फ्लेवर्ड स्पिरिट' जैसी श्रेणी का उल्लेख जरूरी हो सकता है। न्यूट्रल स्पिरिट में रम का फ्लेवर मिलाना गलत है? यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। न्यूट्रल स्पिरिट एक तरह की अल्कोहल आधारित स्पिरिट होती है। FSSAI की आपत्ति यह है कि यदि किसी उत्पाद में मुख्य रूप से न्यूट्रल स्पिरिट का इस्तेमाल किया गया है और उसमें बाहर से रम का फ्लेवर मिलाया गया है, तो उसे वास्तविक रम के रूप में पेश नहीं किया जाना चाहिए। नियामक का तर्क है कि किसी पेय को रम, व्हिस्की या किसी दूसरी श्रेणी में रखने के लिए उसमें उस पेय की निर्धारित विशेषताएं और गुणवत्ता होनी चाहिए। सिर्फ रम का स्वाद या फ्लेवर मिलाने से वह अपने आप रम नहीं बन जाता। दूसरी ओर, कंपनी ने अदालत में इस दलील का विरोध किया था। उसका कहना था कि वह लागू नियमों में दी गई परिभाषा के अनुसार ही उत्पाद तैयार कर रही है। इस तरह कंपनी और नियामक के बीच विवाद केवल बोतल पर लिखे शब्दों का नहीं, बल्कि उत्पाद की कानूनी पहचान का भी है। 7 Years Old Blended और Very Old Vatted पर भी सवाल FSSAI ने ओल्ड मॉन्क की बोतलों पर इस्तेमाल किए गए कुछ अन्य दावों पर भी आपत्ति जताई थी। इनमें '7 Years Old Blended' और 'Very Old Vatted' जैसे विवरण शामिल हैं। नियामक का सवाल था कि यदि उत्पाद में बाहर से फ्लेवर मिलाया जाता है, तो उसे सात साल पुराना या लंबे समय तक पीपे में परिपक्व किया गया उत्पाद बताने का आधार क्या है? FSSAI ने इन दावों की तकनीकी सटीकता पर सवाल उठाए थे। अदालत में सुनवाई के दौरान कंपनी ने लेबल में बदलाव करने की दिशा में कदम उठाया था। सितंबर में जमा किए गए संशोधित लेबल में 'Added Flavour' को प्रमुखता से दिखाया गया और '7 Years Old Blended' का विवरण हटाया गया। लेकिन नियामक की आपत्ति केवल उम्र के दावे तक सीमित नहीं थी। उसका सवाल उत्पाद को मूल रूप से 'रम' कहकर बेचने पर भी था। बॉम्बे हाईकोर्ट में कब-कब क्या हुआ? कंपनी ने अगस्त 2026 में FSSAI के बिक्री रोकने के आदेश को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था। 10 अगस्त को अदालत ने नियामक से जवाब मांगा, लेकिन तत्काल बिक्री पर लगी रोक हटाने का अंतरिम आदेश नहीं दिया। 31 अगस्त को भी अदालत ने तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद कंपनी ने लेबल में बदलाव करने की सहमति जताई और 3 सितंबर को संशोधित लेबल जमा किए। हालांकि, FSSAI ने इन बदलावों को पर्याप्त नहीं माना। 5 नवंबर को कंपनी ने अदालत में कहा कि वह नए लेबल के साथ सीधे नियामक के पास जाएगी। इसके बाद उसने अपनी याचिका पर जोर नहीं देने का फैसला किया। मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए मामले का निपटारा कर दिया। क्या अब महाराष्ट्र में फिर बिकेगी Old Monk? फिलहाल इसका जवाब नहीं है।

फ्यूचर रिटेल पर CBI का शिकंजा, 904.32 करोड़ के बैंक घोटाले में केस दर्ज; किशोर बियानी समेत कई आरोपी

CBI ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के खिलाफ 904.32 करोड़ रुपये के कथित बैंक घोटाले में केस दर्ज किया है। किशोर बियानी समेत कई प्रमोटर्स के ठिकानों पर छापेमारी हुई। SBI की मुंबई स्थित स्ट्रेस्ड एसेट्स मैनेजमेंट ब्रांच-III की शिकायत पर केस दर्ज। किशोर बियानी, राकेश बियानी समेत कई प्रमोटर्स और निदेशक आरोपी बनाए गए। SBI सहित 10 बैंकों के कंसोर्टियम से ऋण सुविधाएं लेने का आरोप। 4 नवंबर 2026 को केस दर्ज हुआ और 6 नवंबर को मुंबई में छापेमारी की गई। देश की प्रमुख रिटेल कंपनियों में शामिल फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (FRL) के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने 904.32 करोड़ रुपये के कथित बैंक घोटाले में मामला दर्ज किया है। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की मुंबई स्थित स्ट्रेस्ड एसेट्स मैनेजमेंट ब्रांच-III की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। मामले में कंपनी के प्रमोटर किशोर बियानी, राकेश बियानी समेत अन्य प्रमोटर्स, प्रबंध निदेशकों, कार्यकारी निदेशकों और गारंटरों को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा अज्ञात लोक सेवकों



तौर पर आपराधिक साजिश रचकर SBI और नौ बैंकों के कंसोर्टियम से वर्किंग कैपिटल, टर्म लोन और लेटर ऑफ क्रेडिट (LC) के रूप में विभिन्न ऋण सुविधाएं हासिल की थीं। कंपनी को बिग बाजार, फैशन एट बिग बाजार और फूडहॉल जैसे रिटेल स्टोर के जरिए हाइपरमार्केट और सुपरमार्केट कारोबार के लिए जाना जाता था। इसके अलावा कंपनी FMCG और फैशन उत्पादों के कारोबार में भी सक्रिय थी। बैंक से मिले फंड का दूसरे कामों में इस्तेमाल करने का आरोप शिकायत के अनुसार, कंपनी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुंबई स्थित फोर्ट कमर्शियल ब्रांच से भी क्रेडिट सुविधाएं ली थीं। आरोप है कि बैंक से जिस उद्देश्य के लिए रकम मंजूर की गई थी, उसका इस्तेमाल उसी काम के लिए नहीं किया गया। इसके बजाय कथित तौर पर फंड को सहयोगी कंपनियों और संबंधित संस्थाओं के माध्यम से दूसरी जगह ट्रांसफर कर दिया गया और रकम का दुरुपयोग किया ...शेष 7 पर

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ ओशिवारा पुलिस की कार्रवाई तेज, अक्टूबर महीने में 62 गिरफ्तार



मुंबई (सिटी न्यूज़ मुंबई कासिम सैय्यद।मतीबुल्ला शेख)बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई में महत्वपूर्ण आंकड़े सामने आए हैं। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संजय चौहान के नेतृत्व में तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर महीने में कुल 62 बांग्लादेशी घुसपैठियों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक, कुल 62 लोगों में 46 महिलाएं और 16 पुरुष शामिल हैं। महिलाओं की संख्या में 3 ट्रांसजेंडर व्यक्ति भी शामिल हैं। रिपोर्ट में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम भी दर्ज किए गए हैं, जिनमें पुलिस हवलदार अशोक बांद्रे, सचिन भोसले, नितिन गुळाड और सिद्धार्थ निकम का उल्लेख है। रिपोर्ट के प्रमुख आंकड़ेः कुल संख्याः 62 पकड़े गए जिस में महिलाएंः 46 और खास बात यह कि इनमें 3 ट्रांसजेंडर भी शामिल है जबकि कुल पुरुषः 16 पकड़े गए ओशिवरा पुलिस ने एक माह अक्टूबर महीने में यह कार्यवाही की है पुलिस की इस कार्रवाई और दर्ज आंकड़ों से बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर प्रशासन की सक्रियता सामने आती है।

दिसंबर से शुरू हो सकती है ठाणे-भिवंडी मेट्रो सेवा : कपिल पाटिल

सिटी न्यूज़ मुंबई/गनी खान भिवंडीकरों का ठाणे तक मेट्रो से सफर करने का इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। ठाणे-भिवंडी मेट्रो परियोजना का काम दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है और इसी महीने मेट्रो सेवा शुरू होने की संभावना है। यह जानकारी पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल ने शुक्रवार को मेट्रो परियोजना के निरीक्षण के दौरान दी। उन्होंने कहा कि भिवंडी मेट्रो परियोजना का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जाता है। वह परियोजना के श्रेय को लेकर किसी तरह की राजनीति नहीं करना चाहते। मेट्रो ट्रेन का परीक्षण पूरा होने के बाद शुक्रवार को कपिल पाटिल ने धामणकर नाका, अंजूरफाटा और काल्हेर स्थित मेट्रो स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकारियों ने काल्हेर स्टेशन पर परियोजना का प्रस्तुतिकरण कर निर्माण कार्य की



मौजूदा स्थिति की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान अंजूरफाटा स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगाने के लिए आवश्यक जगह उपलब्ध कराने में आ रही बाधाओं का मुद्दा भी सामने आया। संबंधित जमीन के अधिग्रहण को लेकर कपिल पाटिल ने जमीन मालिक से फोन पर बातचीत कर परियोजना के लिए सहयोग करने की अपील की। उन्होंने भरोसा जताया कि जमीन अधिग्रहण से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान हो जाएगा।कपिल पाटिल ने कहा कि भिवंडी के लिए मेट्रो अब जरूरत बन चुकी है। दिसंबर में सेवा शुरू होने से लाखों नागरिकों का सफर तेज और सुविधाजनक होगा। इससे शहर में यातायात जाम की समस्या कम होने के साथ औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में उन्होंने भिवंडी की यातायात समस्या को देखते हुए ठाणे से भिवंडी होते हुए कल्याण तक मेट्रो सेवा शुरू करने की मांग की थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परियोजना का भूमिपूजन किया था। श्रेय की राजनीति से बचने की दी नसीहत मेट्रो परियोजना के श्रेय को लेकर पाटिल ने कहा कि भिवंडी मेट्रो का श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जाता है और भिवंडीकर उनके योगदान को कभी नहीं भूलेंगे। महायुति के नेताओं और कार्यकर्ताओं को एक-दूसरे के योगदान का सम्मान करना चाहिए। यदि कोई परियोजना का श्रेय लेता है तो उसे उन लोगों के प्रयासों का भी उल्लेख करना चाहिए, जिन्होंने इसके लिए काम किया है।उन्होंने कहा कि ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो परियोजना के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किए हैं।

महाराष्ट्र में क्यों नहीं मिल रही Old Monk? रम के नाम पर क्या है विवाद, कंपनी ने वापस ली हाईकोर्ट से याचिका

महाराष्ट्र में Old Monk की बिक्री मई-जून से प्रभावित है। जानिए FSSAI ने रम के फ्लेवर, कंपनी ने हाईकोर्ट से याचिका क्यों वापस ली और बिक्री कब शुरू हो सकती है। महाराष्ट्र में मई-जून से ओल्ड मॉन्क रम की बिक्री पूरी तरह प्रभावित है। FSSAI ने न्यूट्रल स्पिरिट में फ्लेवर मिलाने पर उत्पाद के नाम पर आपत्ति जताई है। कंपनी ने बॉम्बे हाईकोर्ट से याचिका वापस लेकर नए लेबल मंजूरी के लिए भेजे हैं। भारत के चर्चित शराब ब्रांड्स में शामिल Old Monk इन दिनों महाराष्ट्र में अपनी बिक्री को लेकर विवादों में है। राज्य में मई-जून 2026 से



इसकी बिक्री प्रभावित है। इसकी वजह कोई सामान्य कारोबारी या सप्लाई से जुड़ी समस्या नहीं, बल्कि एक अहम सवाल है क्या न्यूट्रल स्पिरिट में रम का फ्लेवर मिलाकर तैयार किए गए पेय को 'रम' कहा जा सकता है? FSSAI ने इसी मुद्दे पर आपत्ति जताते हुए महाराष्ट्र में ओल्ड मॉन्क के कुछ उत्पादों की बिक्री और वितरण पर रोक लगाई थी। अब इस मामले में नया घटनाक्रम सामने आया है। ओल्ड मॉन्क बनाने वाली कंपनी मोहन रॉकी स्प्रिंगवाटर ब्रुअरीज ने 5 नवंबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में अपनी याचिका वापस ले ली। कंपनी ने अदालत को बताया कि वह नए लेबल तैयार करके FSSAI के सामने पेश करेगी और उनसे मंजूरी मांगेगी। हालांकि, याचिका वापस लेने का मतलब यह नहीं है कि महाराष्ट्र में ओल्ड मॉन्क की बिक्री पर लगी रोक हट गई है। महाराष्ट्र में Old Monk की बिक्री क्यों बंद हुई? ओल्ड मॉन्क का निर्माण महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खोपोली स्थित प्लांट में किया जाता है। FSSAI ने इस प्लांट का निरीक्षण किया था। इसके बाद नियामक ने कुछ उत्पादों की बिक्री और वितरण पर रोक...शेष 7 पर

मुंबई एयरपोर्ट पर ड्रग तस्करी का भंडाफोड़, 3 किलो गांजे के साथ दो भूटानी नागरिक गिरफ्तार



मुंबई के CSMIA एयरपोर्ट पर AIU ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए बैंकॉक से आए 2 भूटानी नागरिकों को 3 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया। मुंबई एयरपोर्ट पर 2 भूटानी नागरिक गिरफ्तार। दोनों के पास से करीब 3 किलो गांजा बरामद। चॉकलेट पैकेट और कार्टन में छिपाकर हो रही थी तस्करी। ड्रग सिंडिकेट पर युवाओं को लालच देकर इस्तेमाल करने का शक। छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) ...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486